छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-96 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

गोली के घाव पर शहद लगा रहा था आतंकी मूसा



नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा गोली लगने से हुए जख्मों को भरने के लिए शहद का सहारा ले रहा था। उसके फोन से इसका खुलासा हुआ है।जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकी मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा जंगल में छिपे रहने के दौरान अपने गोली के घावों के इलाज के लिए शहद का इस्तेमाल कर रहा था। ताकि उसके घाव जल्द भर सकें। इसका खुलासा उसके फोन से हुआ है। पद्धति का सहारा ले रहा था।

कालीन की बुनाई से एक्सपोर्ट तक कैसे हुआ पूर्वांचल का कायाकल्प



नई दिल्ली। साल 2017 से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, त्वरित निर्णय क्षमता और विकासपरक दृष्टि ने पूर्वांचल और भदोही के परिदृश्य को 360 डिग्री बदल दिया।कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्य पीयूष कुमार बरनवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक इतिहास में साल 2017 एक निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज है। वर्ष 2017 से पहले पूर्वांचल की पहचान एक ऐसे उपेक्षित और पिछड़े क्षेत्र के रूप में होती थी।

अशोक सिंघल जन्म शताब्दी वर्ष पर युवा सम्मेलन, राष्ट्रनिर्माण के लिए 4 हजार युवाओं ने लिया संकल्प



नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे दिवंगत अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर राजधानी मुंबई में भव्य युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। षण्मुखानंद सभागृह में आयोजित इस सम्मेलन में बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में करीब 4 हजार युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा सम्मेलन में उद्यमियों, सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भी शिरकत की।जानकारी के मुताबिक सम्मेलन में युवा शक्तिहिंदू संस्कृतिराष्ट्रनिर्माण का संदेश दिया गया। इस मौके पर बजरंग दल के केंद्रीय सह-संयोजक विवेक कुलकर्णी ने अपने संबोधन में युवाओं राष्ट्रभावना को मजबूत करने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

भाजपा सांसद के घर चोरी, कीमती सामान के साथ गटर का ढक्कन भी ले उड़े चोर



दिल्ली के वीआईपी इलाके फिरोजशाह रोड पर चोरों ने राज्यसभा सांसद डॉ। राधा मोहन दास अग्रवाल के घर को निशाना बनाया। कोठी नंबर 18 में हुई चोरी के दौरान चोर कुछ जरूरी सामान के साथ गटर का ढक्कन भी ले गए। घटना के बाद दिल्ली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चोर सांसद के आवास में कैसे दाखिल हुए और वारदात को कब अंजाम दिया।चोरी की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों के आने-जाने के रास्ते का पता लगाया जा सके।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन: दिल्ली में भी क्क स्टूडेंट यूनियन सड़क पर उतरे; CEC के खिलाफ 3 दिन में तीन प्रदर्शन

एजेंसी ➤ मुंबई

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला।उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है।राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए स्ट्रक्र को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये



फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। उसके अलावा अलग-अलग संगठन और पार्टियां भी विरोध मार्च निकाल चुकी हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, आज के विरोध मार्च के आयोजकों के खिलाफ़ आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में बिना इजाजत मार्च निकालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी स्ट्रक्र प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, स्ट्रक्रकिसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब स्ट्रक्र के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं?हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है-हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए।

नागरिकों एक ही स्थान पर मिली त्वरित राहत

सेवा सेतु शिविर में 207 में से 197 आवेदनों का मौके पर निराकरण

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

सेवा सेतु अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद पेंड्रा के संयुक्त तत्वावधान में पेंड्रा के असेंबली हॉल में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं और आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की गई। शिविर में प्राप्त कुल 207 आवेदनों में से 197 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर नागरिकों को राहत प्रदान की गई।

शिविर में आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, सेवाओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम आयोजित कर मातृ एवं शिशु पोषण का संदेश दिया गया। वहीं स्वच्छता के क्षेत्र



में उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वच्छता दीदियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों तथा नगर पालिका परिषद पेंड्रा के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता दीदियां एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा सेतु अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन के और करीब लाते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रभावी पहल की गई। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पेंड्रा के अध्यक्ष श्री राकेश जालान, उपाध्यक्ष श्री शरद गुप्ता, एसडीएम श्री विक्रांत अंचल, तहसीलदार श्री शेषनारायण जायसवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री अमलदीप मिंज, उप अभियंता श्री सुरेंद्र श्रीवास, पार्षद श्री कुलदीप शुक्ला, श्रीमती चंदा तिवारी, श्री देवी प्रसाद सिंह, श्री राजेश सोनी, श्री शाहिद राइन, पूर्व पार्षद श्री राकेश चतुर्वेदी एवं श्री जयदत्त तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शुभेंदु बोले-6 महीने में लव जिहाद के खिलाफ कानून आएगा

राज्य में उत्तराखंड-गुजरात की तरह UCC लागू होगा; मठ-मंदिरों पर हमले भी बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ➤ कोलकाता

भाजपा ने चुनाव से पहले अपने संकल्प पत्र में सरकार बनने के छह महीने के भीतर ष्ट्ठ लागू करने का वादा किया था। भाजपा ने चुनाव से पहले अपने संकल्प पत्र में सरकार बनने के छह महीने के भीतर ष्ट्ठ लागू करने का वादा किया था।पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि 6 महीने में लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून लाए जाएंगे। साथ ही राज्य में उत्तराखंड और गुजरात की तरह समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी।कोलकाता में विश्व हिंदू परिषके पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी समारोह के दौरान कही।

अधिकारी ने कहा कि BJP सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी, लेकिन भारतीय संस्कृति, परंपरा और पूजा स्थलों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगी।पश्चिम बंगाल सरकार ने ष्ट्ठ का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में हाईलेवल कमेटी बनाई है।मई 2026 में असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पारित किया गया था।



संविधान के अनुसार काम करेंगे, संस्कृति पर हमला नहीं सहेंगे

अधिकारी ने कहा, आप निश्चिंत रहें कि सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी। लेकिन भारतीय संस्कृति, सनातनी परंपराओं, मंदिरों और मठों पर कोई हमला नहीं होने देगी।उन्होंने कहा कि सरकार उस विरासत पर भी हमला नहीं होने देगी, जिसे स्वामी विवेकानंद और महाप्रभु श्री चैतन्य जैसे आध्यात्मिक महापुरुषों ने आगे बढ़ाया है। UCC पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल इसे लागू करने में उत्तराखंड और गुजरात को फॉलो किया जाएगा।उन्होंने सभा में कहा, फ्हमें 6 महीने दीजिए।

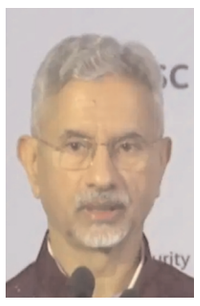
स्मित बोले- हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं।नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं।नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया।घटना 30 सितंबर की है। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इसके बाद विमान करीब 2 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आ गया।गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया।

चीन के उभार ने बदल दी ग्लोबल इकोनॉमी

एजेंसी ➤ कोलकाता

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्लोबल जियोपॉलिटिक्स और बदलती वर्ल्ड इकोनॉमी को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने अमेरिका के बदलते रुख और चीन के उभार को मौजूदा ग्लोबल सिनेरियो के दो बड़े फैक्टर बताया। म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि चीन का उभार आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और इकोनॉमिक ऑर्डर को तेजी से बदल रहा है।एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका की पोजिशन में बड़ा बदलाव आया है। उनकी मानें तो अमेरिका अपनी पसंद से एक तरह से ज्यादा अकेली पावर बन गया है।



दूसरी बड़ी खासियत

वहीं, दूसरी तरफ चीन का उभार इस बदलते ग्लोबल सिनेरियो की दूसरी बड़ी खासियत है। उन्होंने कहा कि चीन खुद को एक अलग तरह की पावर मानता है और कई मायनों में उसकी यह सोच हकीकत भी है।फॉरेन मिनिस्टर एस जयशंकर ने कहा कि आज की कॉम्पिटिशन सिर्फ अमेरिका और चीन तक सीमित नहीं है। इसका असर दुनिया के बाकी देशों पर भी पड़ रहा है। अब किसी देश के पास मौजूद किसी भी तरह की बढ़त यानी लीवरेज का इस्तेमाल एक तरह के हथियार के तौर पर किया जाने लगा है।उन्होंने कहा कि यह कॉम्पिटिशन ऐसे समय में बढ़ रही है, जब दुनिया की इकोनॉमी एक-दूसरे पर काफी डिपेंड है। यानी एक तरफ देशों के बीच कॉम्पिटिशन है, तो दूसरी तरफ ट्रेड, सप्लाई चेन, टेक्नोलॉजी और दूसरे सेक्टर में आपसी निर्भरता भी बनी हुई है।

मुझे फुटबॉल की तरह फेंका गयाज दिल्ली में AAP के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान बोले सौरभ भारद्वाज

एजेंसी ➤ कोलकाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया. आम आदमी पार्टी ने इंडिया गेट तक मार्च निकाला, जहां सौरभ भारद्वाज समेत कई कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए.दिल्ली के जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में स्ट्रक्र में गड़बड़ी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। रविवार (4 अक्टूबर) को भी इंडिया गेट पर आम आदमी पार्टी ने बड़ा प्रदर्शन किया , जिसमें सौरभ भारद्वाज सहित कई आम आदमी पार्टी के समर्थकों को हिरासत में लिया गया ।वहीं ली मेरिडियन और शंग्रीला होटल के पास भी ढ्ढ्र स्टूडेंट ने सैकड़ो की संख्या में जंतर मंतर जाने के लिए मार्च शुरू किया। लेकिन बीएनएस की धारा 163 लगी होने के कारण दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड कर सभी को रोक दिया। में लेफ्ट विंग के लोग भी शामिल हुए।

लोगों को वोटिंग अधिकार से वंचित करना मनमाना...

एसआई आरप्रोटेस्ट के बीच जस्टिस उज्जल भुइयां का बड़ा बयान

एजेंसी ➤ कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने वोट देने के अधिकार को लेकर कहा कि भारतीय नागरिक की नागरिकता और उसका वोटिंग एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भारतीय नागरिक को वोट देने के अधिकार से वंचित करना उसे अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती और संविधान से ऊपर कोई नहीं है।आयोजित नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन समारोह में बोलते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि एक भारतीय नागरिक के नजरिए से वोट देने का अधिकार या मतदाता सूची में शामिल होने का अधिकार अलग नहीं



किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसा करना शरीर से आत्मा निकालने जैसा होगा।उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों के दो वर्ग नहीं बनाता है। एक वर्ग उन नागरिकों का नहीं हो सकता, जिनके पास वोट देने का अधिकार है और दूसरा उन नागरिकों का, जिनके पास यह अधिकार नहीं है।

जस्टिस भुइयां ने कहा

जस्टिस भुइयां ने कहा कि अगर कोई प्रक्रिया लाखों-लाख भारतीय नागरिकों को उनके ही देश में वोट देने के अधिकार से वंचित कर उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बना देती है, तो ऐसी प्रक्रिया अपने आप में मनमानी है। उन्होंने कहा कि इसे किसी भी तरह के तर्क से सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह संविधान के मूल पर हमला है और वह यहां तक कहेंगे कि यह भारतीय संविधान के तहत अपनाए गए संवैधानिक व्यवस्था को नकारने जैसा है।जस्टिस भुइयां ने स्क्कजैन का हवाला देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विधायिका वोट देने के अधिकार को सीमित करने के लिए तर्कहीन या अनुचित प्रावधान न बनाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तथा लोकतंत्र संविधान की बुनियादी विशेषताएं हैं। अगर यह बात कानून के लिए सही है, तो किसी प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए भी उतनी ही, बल्कि उससे ज्यादा सही है।उन्होंने कहा कि नागरिकता और वोट देने का अधिकार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इन्हें अलग नहीं किया जा सकता। नागरिक का वोट देने का अधिकार है।

न्यूज इन शॉर्ट

'छत्तीसगढ़ के शहरी गरीबों के पक्के आवास अभियान को राष्ट्रीय पहचान'

'रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शहरी गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के 卐अपने पक्के घर卐 के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री श्री अरुण साव के सतत मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन को नई गति मिली है। राज्य के आवास प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह 5 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, पीएमएवाई (शहरी) श्री सुमित अग्रवाल छत्तीसगढ़ की ओर से इसमें सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शहरी विकास योजनाओं को जनकल्याण से जोड़ते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया है। उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा शहरी गरीबों के आवास निर्माण को गति देने, लंबित आवासों को पूरा कराने तथा हितग्राहियों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा नगरीय निकायों के साथ समन्वय कर योजना का जमीनी क्रियान्वयन सुदृढ़ किया गया है। आवास स्वीकृति से लेकर निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता, हितग्राही-केंद्रित प्रक्रिया और समयबद्ध पूर्णता तक प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी की जा रही है। इससे योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाने और उनके जीवन में स्थायी बदलाव लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।



महतारी वंदन की राशि से बेटियों के भविष्य की कर रहीं तैयारी

रायपुर । शासकीय योजनाओं का लाभ परिवार की जरूरतों के साथ भविष्य की तैयारी में भी उपयोगी साबित हो रहा है। रायगढ़ जिले के खरसिया के वार्ड क्रमांक 14, गंज पीछे निवासी श्रीमती अंशु साहू महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को अपनी दो बेटियों के भविष्य के लिए बचत के रूप में उपयोग कर रही हैं।श्रीमती अंशु साहू का महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के सहयोग से कराया गया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि मिल रही है। वह इस राशि को अपनी दोनों बेटियों के नाम संचालित सुकन्या समृद्धि योजना के खातों में जमा कर रही हैं। श्रीमती साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि वह हर महीने बेटियों के सुकन्या समृद्धि खातों में जमा करती हैं। उनका कहना है कि नियमित रूप से की जा रही यह बचत बेटियों की पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक आधार तैयार करने में मदद करेगी। उन्होंने महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिल रही आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा सेतु शिविर में एक ही स्थान पर मिली योजनाओं की जानकारी और सेवाएं

निमधा में 21 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण हुए लाभान्वित

स्वास्थ्य जांच से लेकर ड्राइविंग लाइसेंस, एग्री स्टैक पंजीयन और प्रमाण पत्र वितरण तक मिली सुविधाएं

गोद भराई और अन्नप्राशन से शिविर में जुड़ा पोषण का संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

04 अक्टूबर 2026/ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत निमधा में आयोजित सेवा सेतु शिविर ग्रामीणों के लिए शासन की योजनाओं और सेवाओं को सहज रूप से प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम बना। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशन में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं, उनकी पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित करते हुए प्रमाण पत्र एवं सहायता सामग्री भी वितरित की गई। शिविर के माध्यम से क्लस्टर की 21 ग्राम पंचायतों निमधा, लरकेनी, करसीवा,



मड़वाही, रटगा, खुरपा, धरहर, धोबहर, साल्हेकोटा, नरौर, दरमोहली, बंधौरी, पथरी, पंडरी, बदरौड़ी, मालाडाँड, सिवनी, करहनी, पोड़ी, चचेड़ी एवं चिचगोहना के ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ मिला। शिविर स्थल पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की बीपी एवं शुगर जांच के साथ टीबी स्क्रीनिंग की गई। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस बनाने तथा एग्री स्टैक पंजीयन सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर उन्हें पोषण टोकरी प्रदान की गई तथा पांच बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के पांच हितग्राहियों को उनके आवास की चाबी सौंपी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नौ हितग्राहियों को आवश्यकता के अनुरूप छड़ी एवं चश्मे प्रदान किए गए। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों को जाति प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राजेश नंदनी आर्मो ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से जनता और शासन के बीच सीधा संवाद एवं जुड़ाव मजबूत होता है और लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिलती है। उन्होंने क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए पक्की नहर लाइन के निर्माण एवं विस्तार की आवश्यकता भी बताई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे ने सेवा सेतु शिविर के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से कहा कि वे विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में जाकर योजनाओं की पूरी जानकारी लें और अपनी पात्रता के अनुसार उनका लाभ प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि शिविरों का उद्देश्य शासकीय योजनाओं और सेवाओं को ग्रामीणों के लिए अधिक सुलभ बनाना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ना है। शिविर में जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता भानू, ग्राम पंचायत निमधा की सरपंच श्रीमती शकुंतला सेंदराम, उप सरपंच श्रीमती सरिता जायसवाल, गणमान्य नागरिक श्री लालजी यादव, श्री लूसन राठौर, श्री हेमचंद मरावी, श्री शंकर चक्रधारी, श्री भोजराज श्रीवास, श्री अजय रजक, श्री प्रदीप पांडे सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में बुजुर्गों का सम्मान, बांटे सहायक उपकरण



अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर शॉल-माला से सम्मान; जरूरतमंदों को वॉकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र और व्हीलचेयर की सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

पोड़ी चिरमिरी स्थित मंगल भवन में चल रहे दो दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महापौर रामनरेश राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बुजुर्गों का शॉल एवं माला से सम्मान किया गया। जरूरतमंद वृद्धजनों को वॉकिंग स्टिक भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में सभापति संतोष सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल के सहयोग तथा खंड चिकित्सा अधिकारी, खड़गवां डॉ. मनीष प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया है। जिला नोडल अधिकारी डॉ. नम्रता चक्रवर्ती के समन्वय तथा सहायक नोडल अधिकारी, हक्काष्टश्व विक्की टोप्पो एवं समाज कल्याण विभाग की श्रीमती अंजना बेक के सहयोग से वृद्धजन दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एक ही जगह जांच, परामर्श और सहायक उपकरण

30 सितंबर से शुरू हुए इस दो दिवसीय शिविर में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त समन्वय से नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पात्रता एवं चिकित्सकीय जांच के आधार पर श्रवण यंत्र, वॉकिंग स्टिक, व्हीलचेयर सहित विभिन्न उपकरण वितरित किए जा रहे हैं।शिविर में अब तक लगभग 100 श्रवण यंत्र और 150 वॉकिंग स्टिक वितरित की जा चुकी हैं। वहीं 450 से अधिक लोगों की दृष्टि जांच की गई है। जांच के परिणाम एवं आवश्यकता के अनुसार संबंधित लोगों को चश्मे वितरित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद नागरिकों के आवागमन, दैनिक गतिविधियों और संवाद को आसान बनाना है।

बुजुर्गों के सम्मान के साथ देखभाल का संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर रामनरेश राय ने वृद्धजनों के सम्मान और उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने परिवार एवं समाज से बुजुर्गों की देखभाल में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवाओं और सहायक उपकरणों की सुविधा की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और सहायक उपकरणों की आवश्यकता का आकलन किया जा रहा है।

नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा देख भावुक हुए प्रभारी मंत्री नेताम, संस्था को 1 लाख सहायता की घोषणा

दिव्यांग विद्यालय का औचक निरीक्षण कर बच्चों से सीधे संवाद किया

पढ़ाई-भोजन और आवासीय व्यवस्थाओं की ली जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के तहत जनसेवा और संवेदनशीलता की पहल को आगे बढ़ाते हुए जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने गांधी जयंती के अवसर पर मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, ब्रेल शिक्षा तथा उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली।विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा देखकर मंत्री भावुक और प्रभावित नजर आए। बच्चों ने स्वागत गीत, संगीत के साथ रामायण पाठ और सुंदरकांड की चौपाइयां प्रस्तुत कीं। इसके साथ ही बच्चों ने विभिन्न जीव-जंतुओं की आवाजें निकालकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुतियों में



आत्मविश्वास और सीखने की ललक देखकर मंत्री ने बच्चों की जमकर सराहना की।बच्चों की प्रतिभा से प्रभावित होकर मंत्री रामविचार नेताम ने संस्था के संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए 1 लाख की सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों को साउंड सिस्टम बॉक्स तथा फल-फूल भी भेंट किए।आप किसी से पीछे नहीं हैं

बच्चों को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि बच्चों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से साबित किया है कि वे किसी से पीछे नहीं हैं। उनमें संगीत, गायन और सांस्कृतिक गतिविधियों की शानदार प्रतिभा है। जरूरत केवल उन्हें उचित अवसर और बड़ा मंच उपलब्ध कराने की है।

उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा के साथ आत्मविश्वास भी है। समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उनकी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। बच्चों के बीच आकर उनकी प्रतिभा को देखना उनके लिए भावुक और यादगार अनुभव रहा।

आत्मानंद स्कूल ग्राउंड मनेन्द्रगढ़ में 5 अक्टूबर को लगेगा सेवा सेतु शिविर

एक ही परिसर में मिलेगी शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की जानकारी, पात्र हितग्राहियों को मिलेगा लाभ

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 05 अक्टूबर 2026 को विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के आत्मानंद स्कूल ग्राउंड में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ एवं विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से किया जा रहा है।

सेवा सेतु शिविर में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को आवश्यक सहायता



एवं योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की जाएगी। शिविर का उद्देश्य आमजन को विभिन्न शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देते हुए एक ही स्थान पर अनेक विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना है।

शिविर में प्रधानमंत्री आवास की चाबी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम पंजीयन एवं आधार अपडेट सहित विभिन्न सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, कृषि एवं किसान कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं कौशल विकास, आवास सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। इस सेवा सेतु शिविर के माध्यम से पात्र हितग्राही अपनी आवश्यकताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के साथ योजनाओं के लिए आवेदन एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर सकेंगे। संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं एवं आवेदनों का निराकरण करने में सहयोग करेंगे।

जिला प्रशासन ने मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के नागरिकों एवं ग्रामीणों से अपील की है कि वे 05 अक्टूबर को आत्मानंद स्कूल ग्राउंड में आयोजित सेवा सेतु शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाएं।

आत्मविश्वास और सहभागिता को भी मजबूत कर रहे हैं

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में गूंजा पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण का संदेश

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत डोमनापारा के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण माह 2026 के तहत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य, मातृ-शिशु देखभाल एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़ी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना मनेन्द्रगढ़ ग्रामीण की पर्यवेक्षक शिल्पा अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिलाओं, बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

न्योता भोज और सुपोषण टोकरी से दिया पोषण का संदेश

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में न्योता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया गया। पर्यवेक्षक शिल्पा



अग्रवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और समुचित विकास के लिए परिवार एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा दीदियों का सम्मान भी किया गया।



योजनाओं की जानकारी के साथ महिलाओं को किया जागरूक

कार्यक्रम में महिलाओं को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना सहित महिला एवं बाल हितैषी योजनाओं के संबंध में हितग्राहियों से संवाद किया गया और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।इसके साथ ही 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान के तहत मुनगा के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में पौष्टिक थाली का प्रदर्शन एवं व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास, संतुलित आहार, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया।विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और संवाद के माध्यम से महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ने के साथ ही उन्हें अपने परिवार एवं समाज में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण महिलाओं और परिवारों को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उनके घर के नजदीक ही मिल सके। आंगन मिलन सेवा जैसे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रोंआत्मविश्वास और सहभागिता को भी मजबूत कर रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

जुर्डा में सेवा संकल्प शिविर आयोजित, हितग्राहियों को मिला आवास, किसान सम्मान निधि और आबादी पट्टा

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत रायगढ़ के स्कूल प्रांगण जुर्डा में ब्लॉक स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया और उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में 17 लोगों को आबादी पट्टा का अधिकार अभिलेख पत्र प्रदान किया गया। वीबी-जीरामजी योजना के तहत 4 लोगों को जॉब कार्ड दिए गए। जुर्डा की कुमोदनी प्रधान एवं सुदामा यादव तथा सियारपाली के अर्जुन एवं चक्रधर यादव को आवास योजना का लाभ मिला। वहीं किसान जयदेव ठाकुर और लोकनाथ राणा को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान किया गया। उद्यान विभाग द्वारा 12 हितग्राहियों को मुनगा पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुजाता सुकलाल चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो, उपाध्यक्ष श्री राम श्याम डनसेना सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 1 से 7 अक्टूबर तक जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की 26 प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं से पात्र नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। 5 अक्टूबर को विधानसभा क्षेत्र धरमजयगढ़ अंतर्गत जनपद पंचायत घरघोड़ा के माध्यमिक शाला अमलीडीह एवं नगर पंचायत कार्यालय परिसर धरमजयगढ़ में शिविर आयोजित होगा। 6 अक्टूबर को जनपद पंचायत लैलूंगा के हाईस्कूल प्रांगण नारायणपुर में तथा 7 अक्टूबर को नगर पंचायत कार्यालय परिसर तमनार एवं विधानसभा खरसिया अंतर्गत जनपद पंचायत खरसिया-2 के हाईस्कूल परिसर खम्हार में शिविर आयोजित किया जाएगा।

16 वर्षीय छात्रा की आत्महत्या मामले में युवक पर आफआईआर दर्ज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के कोटा थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय स्कूली छात्रा की आत्महत्या के मामले में मर्ग जांच के बाद पुलिस ने एक युवक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर युवक पर छात्रा का पीछा करने, लगातार संपर्क में रहने और उसे कथित रूप से डराने-धमकाने तथा मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्र) और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है। कोटा थाना प्रभारी शशिकांत भारद्वाज के अनुसार, 20 जून को थाना क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम किया था। इसके बाद छात्रा की आत्महत्या के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू की गई। सरकार शहर खोजें मर्ग जांच में सामने आए आरोप पुलिस ने मर्ग जांच के दौरान छात्रा के परिजनों और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों से पूछताछ की। इसी दौरान संदेही युवक पीनू उर्फ वरुण गंधर्व का नाम सामने आया। पुलिस ने युवक और छात्रा के बीच संपर्क की जांच के लिए मोबाइल फोन से संबंधित तकनीकी जानकारी भी जुटाई। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक के मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी ष्टष्ठक्रकी जांच की गई। इसके साथ ही गवाहों के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया गया। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान नाबालिग छात्रा और युवक के बीच मोबाइल पर बातचीत होने की जानकारी मिली।आरोप है कि युवक लगातार छात्रा के संपर्क में रहने की कोशिश करता था और मोबाइल फोन पर उससे बातचीत करता था। इतना ही नहीं, पुलिस के अनुसार मर्ग जांच के दौरान युवक पर छात्रा के परिजनों की गैरमौजूदगी में उसके घर में प्रवेश करने और उसे डराने-धमकाने के आरोप भी सामने आए हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर में एक ही परिसर में मिली अनेक

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण, हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ और किया सामग्री वितरित

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- सेवा सेतु शिविर में एक ही जगह मिल रही सभी योजनाओं और सुविधाओं की सौगात

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी



जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत आज जनपद पंचायत खड़गवां परिसर में सेवा सेतु अभियान का जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं और विभागीय सुविधाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ना रहा।

स्वास्थ्य मंत्री ने विभागीय स्टॉलों का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वास्थ्य, राजस्व, कृषि, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, समाज कल्याण, पंचायत सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय योजनाओं, उपलब्ध सेवाओं और हितग्राहियों को दिए जा रहे लाभों की जानकारी ली। साथ ही स्टॉलों पर पहुंचे ग्रामीणों एवं हितग्राहियों से चर्चा कर योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति जानी। उन्होंने अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ

विभागीय स्टॉलों के निरीक्षण के पश्चात स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गीत एवं राजकीय गीत की प्रस्तुति दी गई। छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर ÷स्वस्थ भारत, स्वस्थ छत्तीसगढ़÷ का संदेश दिया। वहीं महाविद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की: कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि सेवा सेतु शिविर में समाज कल्याण, पंचायत, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, विद्युत सहित सभी प्रमुख विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविर में उपलब्ध सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें।

आधार, आयुष्मान और राशन कार्ड से लेकर बीज व कृत्रिम अंग तक की सुविधा: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि जिन लोगों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड अथवा राशन कार्ड नहीं बन पाया है, वे शिविर में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं।

सक्ती रेलवे स्टेशन पर विशेष पेयजल गुणवत्ता जांच अभियान

स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की व्यापक जांच

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्टेशनों पर पेयजल गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में सक्ती रेलवे स्टेशन पर विशेष पेयजल गुणवत्ता जांच अभियान आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्टेशन के विभिन्न पेयजल स्थलों का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध पेयजल के नमूने एकत्रित किए और उनकी गुणवत्ता की जांच की। जांच के साथ-साथ पेयजल स्थलों की स्वच्छता, जल वितरण व्यवस्था, पानी की उपलब्धता तथा यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाओं का भी बारीकी से जायजा लिया गया।

यह अभियान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक के नेतृत्व में संचालित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पेयजल की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने के साथ-साथ पेयजल स्थलों की स्वच्छता एवं समुचित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पेयजल व्यवस्था की नियमित निगरानी, स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्रियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की गहन सफाई

रायपुर रेल मंडल में 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है

प्रतीक्षालयों, रिटायरिंग रूम एवं विश्राम गृहों की गहन सफाई पर विशेष जोर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



रायपुर रेल मंडल में 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत रायपुर रेल मंडल में चल रहे 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक तीन दिवसीय डीप क्लीनिंग अभियान के दूसरे दिन यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों की गहन सफाई की गई।प्रतीक्षालयों, रिटायरिंग रूम एवं विश्राम गृहों में सीटिंग व्यवस्था, प्लेटफॉर्म्स के मकड़ी के जालो एवं अन्य सामग्री की डीप क्लीनिंग की गई। फर्श की सफाई एवं वेटिंग हॉल रिटायरिंग रूम, डॉरमेट्री के साथ एयर कंडीशनिंग फिल्टर एवं डक्ट की सफाई पर भी ध्यान दिया गया। संलग्न शौचालयों एवं स्नान क्षेत्रों की सैनिटाइजेशन के साथ नल, गीजर एवं फ्लश सिस्टम की कार्यक्षमता की जांच की गई। सभी कर्मचारियों को भी निर्देशित किया गया कि अपने कार्य स्थल पर समुचित सफाई व्यवस्था बनाए रखें।रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा में सहयोग दिया गया आज इसी कड़ी में वर्ल्ड मिशन सोसाइटी अमलीडीह शाखा के सदस्यों ने रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छता अभियान चला कर अपनी पखवाड़ा में भागीदारी दी।

'कवच' से संरक्षित हो रही भारतीय रेल की रफ्तार...

दुर्ग से मांदर तक 70 रूट किलोमीटर पर स्टैंडर्ड 'कवच' मीशन

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के माध्यम से रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। दुर्ग से मांदर तक 70 रूट किलोमीटर के सभी रेल मार्गों सहित सरोना-उरकुरा बाईपास लाइन पर स्टैंडर्ड 'कवच' (हश्रठ्ठ-स्ढ्ढरु) की कमीशनिंग 03 अक्टूबर 2026 को पूर्ण की गई।

इस परियोजना के अंतर्गत 984 ट्रैकसाइड ऋस्रढ्ढष्ठ टैग्स को अतिरिक्त वैकल्पिक व्यवस्था के साथ स्थापित एवं प्रोग्राम किया गया है। ऋस्रढ्ढष्ठ प्रणाली का कार्यान्वयन कवच 4.0 के तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप किया गया है।

क्या है 'कवच'?

'कवच' भारतीय रेल के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (ऋष्ठस्ह) द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली है। यह ट्रेनों की गति एवं स्थिति से संबंधित जानकारी के आधार पर संरक्षित परिचालन में सहायता करती है तथा आवश्यकता पड़ने पर स्वचालित ब्रेकिंग के माध्यम से ट्रेन को सुरक्षित रोकने में सक्षम है।

प्रमुख संरक्षा लाभ

'कवच' से लैस लोकोमोटिव में निम्न प्रमुख संरक्षा सुविधाएं उपलब्ध होती हैं–

* आमने-सामने की संभावित टक्कर से बचाव।
* पीछे से होने वाली संभावित टक्कर से बचाव।
* ट्रेन के अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ने (ऋष्ठद्यद्य-ड्डढ्ढ4) से सुरक्षा।
* स्टैंडस्टिल के दौरान अनावश्यक मूवमेंट से सुरक्षा।
* असामान्य रूप से ट्रेन रुकने की स्थिति में ऑनबोर्ड स्हस्र सुरक्षा सुविधा।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना-एमसीबी के दूरस्थ गांवों को मिली नई रफ्तार

4 बसों के संचालन से आवागमन हुआ आसान, समय और पैसे दोनों की हो रही बचत

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी





मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। योजना के अंतर्गत जिले में 4 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बस सेवाओं से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुगम, सुरक्षित और किफायती आवागमन की सुविधा मिल रही है।

जिला परिवहन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण मार्गों पर इन बसों का संचालन किया जा रहा है। इनमें चंवारीडांड से बैकुंठपुर, कचोहर से मनेन्द्रगढ़, जनकपुर से बड़वाही तथा जनकपुर से मलकडोल जैसे प्रमुख मार्ग शामिल हैं। नियमित बस सेवा उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अब आवागमन के लिए निजी वाहनों अथवा महंगे परिवहन साधनों पर निर्भरता कम हुई है।

विद्यार्थियों, किसानों और श्रमिकों को विशेष लाभ

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का सबसे अधिक लाभ विद्यार्थियों, किसानों, श्रमिकों और छोटे व्यापारियों को मिल रहा है। विद्यार्थी कम खर्च में स्कूल एवं कॉलेज तक पहुंच पा रहे हैं। किसानों के लिए बाजार तक पहुंच आसान हुई है, वहीं श्रमिकों को रोजगार के स्थान तक आने-जाने में सुविधा मिल रही है। छोटे व्यापारियों के लिए भी आवागमन सुगम होने से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है।बस सेवा शुरू होने से ग्रामीणों के समय और परिवहन खर्च दोनों में बचत हो रही है। नियमित और किफायती परिवहन सुविधा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की दैनिक दिनचर्या भी अधिक सुविधाजनक हुई है।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हुई आसान: ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा बेहतर होने का सीधा लाभ स्वास्थ्य सेवाओं को भी मिल रहा है। मरीजों और उनके परिजनों के लिए अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचना पहले की अपेक्षा आसान हुआ है। कम समय और कम खर्च में स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंच संभव होने से जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार प्राप्त करने में मदद मिल रही है।ग्रामीण विकास को मिल रही नई गति

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना केवल परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति प्रदान कर रही है। बेहतर आवागमन से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक ग्रामीणों की पहुंच बढ़ रही है।

प्रशिक्षण उपरांत रोजगार से जोड़ने की पहल, 5 हितग्राहियों का होगा चयन

श्रमिक परिवारों के युवाओं को कौशल विकास का अवसर, सीपेट रायपुर में मिलेगा 80 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण योजना के तहत जिले के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके आश्रित युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने की पहल की जा रही है। योजना के अंतर्गत जिले से 5 पात्र हितग्राहियों का चयन कर रायपुर स्थित सीपेट में आवासीय तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।



प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा। जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रोसेसिंग, एक्सट्रूजन एवं इंजेक्शन मोल्डिंग ट्रेड में कुल 480 घंटे अर्थात 80 दिवस का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय होगा तथा प्रशिक्षणार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण राजकीय एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में एनएसक्यूएफ द्वारा अनुमोदित लेवल 3.5 के अनुरूप होगा।

योजना के तहत आवेदक की आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता के रूप में 10वीं उत्तीर्ण अथवा 8वीं उत्तीर्ण के साथ संबंधित कार्य में 1 से 3 वर्ष का अनुभव रखने वाले युवा पात्र होंगे। प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तिथि तक आवेदक की आयु निर्धारित सीमा के भीतर होना आवश्यक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के कुल 200 हितग्राहियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से 5 हितग्राहियों का चयन किया जाना है। इच्छुक एवं पात्र निर्माण श्रमिक तथा उनके आश्रित विभागीय पोर्टल ह्यद्धह्यड्डद्वद्व1द्धद्व4ड्डह्लद्व.ष्द्.द्श1.द्वठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिला श्रम पदाधिकारी ने जिले के अधिक से अधिक पात्र युवाओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की है। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से श्रमिक परिवारों के युवाओं को तकनीकी दक्षता प्रदान कर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ने के साथ ही उनकी आर्थिक क्षमता को सुदृढ़ करना योजना का प्रमुख उद्देश्य है।

'आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर आएगा बस्तर, पीड़ितों को मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर - उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा'

'आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर आएगा बस्तर, पीड़ितों को मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर - उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा'

'जगदलपुर में 5 से 7 अक्टूबर और दंतेवाड़ा में 15 से 17 अक्टूबर तक लगेगा नि:शुल्क विशाल दिव्यांग सेवा शिविर'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा है कि बस्तर अब आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर निकलने को तैयार है। वर्षों तक नक्सल हिंसा के दौर में बस्तर के अनेक इलाकों में सड़कों, नदी-तालाबों के किनारे और स्कूलों के आसपास लगाए गए आईईडी की चपेट में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ आम नागरिक और पशु भी आए। कई नागरिकों ने इन विस्फोटों में अपने हाथ-पैर गंवाए और आज भी दिव्यांगता के साथ कठिन जीवन जी रहे हैं। जिनकी वेदना को कम करने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ शासन भी लगातार प्रयासरत है। ऐसे लोगों के जीवन की मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग में दो चरणों में विशाल निःशुल्क दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

पहला तीन दिवसीय शिविर 5, 6 और 7 अक्टूबर को बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित होगा। इसमें बस्तर, कांकेर, नारायणपुर और कोण्डागांव जिले के दिव्यांगजन भी शामिल होंगे। दूसरा शिविर 15, 16 और 17 अक्टूबर को दंतेवाड़ा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के हितग्राहियों को लाभ मिलेगा। इन शिविरों में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के तकनीकी सहयोग से जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। उपलब्ध विभागीय विवरण के अनुसार जगदलपुर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए चार जिलों में कुल 2,953 दिव्यांगजन चिन्हांकित किए गए हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

मछली पालन से पीलाराम को मिला आय का सशक्त जरिया,

'सेवा सेतु शिविर में वनमंत्री ने सौंपा एक लाख रुपए की अनुदान राशि का चेक'

रायपुर। कोंडागांव जिले के ग्राम लखापुरी निवासी श्री पीलाराम वट्टी पहले खेती-किसानी के माध्यम से सीमित आमदनी के जैसे तैसे अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। इसी दौरान आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने खेती के साथ-साथ मछली पालन को अतिरिक्त आय के साधन के रूप में अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने मछली पालन के लिए तालाब निर्माण हेतु विभाग में आवेदन प्रस्तुत किया। पीला राम के आवेदन पर मछली पालन विभाग द्वारा एक एकड़ क्षेत्र में तालाब निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति मिलने के बाद उन्होंने अपने खेत में एक एकड़ क्षेत्र में तालाब का निर्माण कराया। तालाब निर्माण पूर्ण होने के बाद सेवा संकल्प अभियान के तहत मर्दापाल में आयोजित सेवा सेतु शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 01 लाख रुपए की अनुदान राशि प्रदान की गई ।मर्दापाल में आयोजित सेवा सेतु शिविर में वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने पीला राम वट्टी को अनुदान राशि के साथ मछली पकड़ने का जाल भी प्रदान किया। जाल मिलने से अब उन्हें तालाब में मछली पालन और मछली पकड़ने के कार्य में सुविधा मिलेगी। इससे वे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए मछली पालन को अपनी आजीविका से जोड़ सकेंगे ।पीला राम ने बताया कि खेती के साथ मछली पालन शुरू करने की इच्छा से उन्होंने विभाग में तालाब निर्माण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। विभाग से एक एकड़ में तालाब निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद उन्होंने तालाब का निर्माण कराया। तालाब निर्माण पूर्ण होने के बाद मर्दापाल के सेवा सेतु शिविर में वन मंत्री श्री कश्यप के हाथों उन्हें एक लाख रुपए की अनुदान राशि और एक नग जाल प्रदान किया गया।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का रायपुर ग्रामीण पुलिस ने पर्दाफाश किया है। आरोपी खुद को शासकीय अधिकारी बताकर लोगों को सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। इसके लिए कथित तौर पर फर्जी नियुक्ति पत्र, शासकीय सील और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया जाता था ।उसने शिकायतकर्ता प्रांजल आचार्य और उसकी बहन प्रियंका आचार्य निवासी महापल्ली, जिला रायगढ़ को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने प्रांजल को वित्त विभाग में सीधी भर्ती के माध्यम से लेखा अधिकारी की नौकरी दिलाने के लिए 5 लाख रुपये और उसकी बहन को सहायक ग्रेड-03/कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नियुक्त कराने के लिए 3.50 लाख रुपये की मांग की थी। नियुक्ति प्रक्रिया और दस्तावेज सत्यापन का हवाला देकर शिकायतकर्ता को नवा रायपुर भी बुलाया गया। आरोप है कि इसके बाद शिकायतकर्ता और उसकी बहन के नाम पर कूटरचित नियुक्ति पत्र तैयार किए गए। जांच में सामने आया कि इन दस्तावेजों में एक अधिकारी के नाम की कथित फर्जी सील और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस के अनुसार मंत्रालय महानदी भवन के वित्त विभाग के सचिव के नाम से भी फर्जी सील तैयार कराई गई और कूटरचित जॉइनिंग लेटर बनाया गया। इसके बाद 20 हजार और 60 हजार रुपये लिए गए। फोन-पे के माध्यम से अलग-अलग किश्तों में करीब 50 हजार रुपये तथा अन्य खर्च के नाम पर लगभग 20 हजार रुपये लेने की बात भी सामने आई है। इस तरह शिकायतकर्ता और उसकी बहन से सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर करीब 3 लाख रुपये लेकर धोखाधड़ी करने का आरोप है। मुख्य आरोपी प्रदीप कुमार पंडा पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर रकम लेने का आरोप है। दिलविजय मिरी पर फर्जी नियुक्ति आदेश और दस्तावेज टाइप करने, जबकि भुनेश्वर राम भगत पर फर्जी शासकीय सील तैयार करने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही और कब्जे से फर्जी शासकीय सील बनाने में इस्तेमाल मशीन के साथ नियुक्ति आदेश तैयार करने में कथित रूप से प्रयुक्त कंप्यूटर और प्रिंटर भी जब्त किया है। अन्य लोगों से ठगी की भी जांच पुलिस की जांच में यह जानकारी भी सामने आई है कि मुख्य आरोपी ने अन्य लोगों को भी सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया था।

मातृ वंदना योजना से मिली सहायता उनके तथा बच्चे की देखभाल में मददगार बनी है

मातृत्व वंदना से ममता को मिला पोषण और स्वास्थ्य का संबल, मां-बच्चे की देखभाल में बनी मददगार'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



पहली बार मां बनने का अनुभव खुशियों के साथ अपने स्वास्थ्य और गर्भस्थ शिशु की बेहतर देखभाल की जिम्मेदारी भी लेकर आता है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सकालो निवासी श्रीमती ममता बनवासी के लिए गर्भावस्था के इस महत्वपूर्ण समय में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से मिली आर्थिक सहायता और आंगनबाड़ी केंद्र की पोषण सेवाएं उपयोगी सहारा बनीं। योजना के तहत उन्हें दो किश्तों में कुल 5 हजार रुपये मिले, जिसका उपयोग उन्होंने स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों में किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई ममता की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि योजना की आर्थिक सहायता के साथ आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाला पोषण और मार्गदर्शन गर्भवती महिलाओं के लिए मातृत्व के दौरान जरूरी देखभाल में सहयोगी बन रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने दी जानकारी, योजना से जुड़ीं ममता'

ममता बताती हैं कि पहली बार गर्भवती होने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी दी। कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में उन्होंने आवेदन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद योजना के तहत उन्हें दो किश्तों में कुल 5 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई।

ममता ने इस राशि का उपयोग गर्भावस्था के दौरान अपने स्वास्थ्य, पोषण और बच्चे की देखभाल से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में किया। आर्थिक सहायता मिलने से इस महत्वपूर्ण समय में जरूरी खर्चों को पूरा करने में उन्हें सहूलियत मिली।

'रेडी-टू-ईट फूड से पोषण में मिला सहयोग'

आर्थिक सहायता के साथ आंगनबाड़ी केंद्र भी ममता के लिए सहयोग का माध्यम बना। केंद्र से उन्हें रेडी-टू-ईट फूड मिला, जिसका उपयोग उन्होंने अपने खानपान और पोषण के लिए किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने योजना से जोड़ने के साथ गर्भावस्था और बच्चे की देखभाल से संबंधित जरूरी जानकारी भी दी।

ममता बताती हैं कि योजना और आंगनबाड़ी केंद्र से मिली सुविधाओं से उन्हें गर्भावस्था के दौरान अपनी देखभाल करने में मदद मिली। वर्तमान में वे और उनका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

'आर्थिक सहायता से स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों में मिली मदद'

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से मिली राशि ममता के लिए मातृत्व के शुरुआती दौर में आर्थिक सहयोग का माध्यम बनी। सहायता राशि से उन्हें अपने स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली, वहीं आंगनबाड़ी केंद्र से मिली सेवाओं ने पोषण और जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ममता की कहानी योजना और आंगनबाड़ी सेवाओं की जमीनी पहुंच की तस्वीर पेश करती है। आर्थिक सहायता, पोषण और जरूरी जानकारी मिलने से मातृत्व के दौरान उन्हें अपने और बच्चे की देखभाल में सहयोग मिला। योजना से मिले लाभ पर श्रीमती ममता बनवासी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं से उन्हें विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिल रहा है और मातृ वंदना योजना से मिली सहायता उनके तथा बच्चे की देखभाल में मददगार बनी है।

'डबरी के पानी से सब्जी-भाजी की खेती भी कर रहा परिवार, एक ही संसाधन से आजीविका के दो अवसर'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



'सेवा संकल्प अभियान' ¤ 'सेवा की कहानी-बहकर जाने वाला बरसाती पानी बना आजीविका का साधन, डबरी से मछली पालन और सब्जी उत्पादन को मिला सहारा'बारिश का जो पानी पहले बहकर निकल जाता था, अब वही पानी डबरी में सहेजा जा रहा है और परिवार की आजीविका का आधार बन रहा है। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत लोसगा में ग्रामीण रोजगार योजना के तहत समय लाल बड़ा के नाम से निर्मित आजीविका डबरी ने परिवार के लिए मछली पालन के साथ सब्जी उत्पादन की राह भी खोली है। डबरी में 9 किलो मछली बीज डालकर मछली पालन शुरू किया गया है, वहीं इसमें संचित पानी का उपयोग सब्जी-भाजी की खेती में भी किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि जल संरक्षण के लिए तैयार छोटी परिसंपत्ति को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उसका बहुउपयोग किया जा सकता है। डबरी से परिवार को पानी सहेजने की सुविधा मिली है और अब इसी पानी से मछली पालन तथा सब्जी उत्पादन के रूप में आय के दो अवसर तैयार हुए हैं।

'पिता के नाम बनी आजीविका डबरी, बेटे कनी लाल ने शुरू किया मछली पालन'

ग्राम लोसगा निवासी कनी लाल बड़ा बताते हैं कि उनके पिता समय लाल बड़ा के नाम से ग्रामीण रोजगार योजना के तहत आजीविका डबरी का निर्माण कराया गया है। डबरी तैयार होने के बाद परिवार ने इसमें 9 किलो मछली बीज डालकर मछली पालन शुरू किया है।

मछलियां अभी तैयार हो रही हैं। परिवार को उम्मीद है कि मछलियों के बड़े होने के बाद उन्हें बाजार में बेचकर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होगी। इससे खेती के साथ परिवार को आजीविका का एक और साधन मिलेगा।

'पहले बह जाता था पानी, अब सब्जियों की सिंचाई में आ रहा काम'

कनी लाल बताते हैं कि पहले बरसात का पानी बिना उपयोग के बह जाता था। डबरी बनने के बाद वर्षाजल इसमें एकत्रित होने लगा है। अब परिवार इसी संचित पानी का उपयोग सब्जी-भाजी की खेती और सिंचाई के लिए कर रहा है।

इस तरह डबरी केवल मछली पालन तक सीमित नहीं है। इसमें उपलब्ध पानी ने खेती के लिए भी सुविधा विकसित की है। एक ही जल संरचना से मछली पालन और सब्जी उत्पादन को जोड़कर परिवार उपलब्ध संसाधन का बेहतर उपयोग कर रहा है।

'एक ही परिसंपत्ति से आजीविका के दो अवसर'

मछली पालन और सब्जी उत्पादन को एक साथ जोड़ने से परिवार के लिए आय के दो संभावित स्रोत तैयार हुए हैं। मछलियां तैयार होने पर उनकी बिक्री से अतिरिक्त आमदनी की उम्मीद है, जबकि डबरी के पानी से सब्जी उत्पादन में मदद मिलने से खेती को भी सहारा मिला है।

बरसाती पानी को सहेजकर उसका उत्पादक उपयोग किए जाने से डबरी जल संरक्षण के साथ आजीविका संवर्धन का माध्यम बन रही है।

'जल संरक्षण से आय संवर्धन की ओर बढ़े कदम'

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समय लाल बड़ा के परिवार की यह कहानी बताती है कि ग्रामीण रोजगार योजना के तहत निर्मित जल संरक्षण परिसंपत्तियों को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर ग्रामीण परिवारों के लिए नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से आधा हुआ अमोली का मंडी आने-जाने का किराया'

'पहले ऑटो से सफर में लगते थे 50 से 60 रुपये, अब करीब 30 रुपये में बस से पहुंच रहे मंडी'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



मंडी तक आने-जाने में होने वाला खर्च किसी छोटे सब्जी विक्रेता की रोज की कमाई को सीधे प्रभावित करता है। सरगुजा जिले के कल्याणपुर क्षेत्र में सब्जी बेचकर परिवार की आजीविका चलाने वाले श्री अमोली के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना इसी खर्च को कम करने का माध्यम बनी है। पहले मंडी जाने के लिए उन्हें ऑटो में 50 से 60 रुपये तक किराया देना पड़ता था, अब ग्रामीण बस सेवा से यही सफर करीब 30 रुपये में पूरा हो रहा है। किराये में हुई इस बचत से उनके सब्जी व्यवसाय के रोजमर्रा के खर्च में राहत मिली है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई अमोली की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि ग्रामीण परिवहन की सुविधा केवल गांव से बाजार तक पहुंच आसान नहीं करती, बल्कि छोटे व्यवसायियों के परिवहन खर्च को कम कर उनकी आजीविका में भी सहयोगी बन सकती है।

'फूलझर नाला के पास सब्जी बेचकर चलाते हैं आजीविका'

श्री अमोली कल्याणपुर में फूलझर नाला के पास सब्जी बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। व्यवसाय के लिए उन्हें नियमित रूप से मंडी जाकर सब्जियां और अन्य जरूरी सामान लाना पड़ता है। पहले मंडी तक पहुंचने के लिए वे ऑटो पर निर्भर थे। अधिक किराया लगने के कारण उनकी कमाई का एक हिस्सा आने-जाने में ही खर्च हो जाता था।

मंडी से सामान लेकर वापस लौटने में भी परिवहन खर्च होता था। ऐसे में छोटे स्तर पर सब्जी व्यवसाय करने वाले अमोली के लिए किराये पर होने वाला खर्च महत्वपूर्ण था।

'50-60 रुपये की जगह अब करीब 30 रुपये में मंडी तक सफर'

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू होने के बाद अमोली को मंडी आने-जाने में राहत मिली है। वे बताते हैं कि अब करीब 30 रुपये किराया देकर बस से मंडी पहुंच जाते हैं। मंडी से सब्जियां और अन्य सामान लेकर वापस आने में भी सुविधा हुई है।

परिवहन पर कम राशि खर्च होने से व्यवसाय की लागत घटाने में मदद मिल रही है। अमोली बताते हैं कि कई बार बाजार में सब्जियों का भाव कम मिलने के कारण अपेक्षित कमाई नहीं हो पाती। ऐसी स्थिति में आने-जाने के किराये में होने वाली बचत उनके लिए मायने रखती है।

अब मंडी से सब्जी और सामान लाने में भी सुविधा हो गई है'

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से मिली सुविधा पर खुशी जाहिर करते हुए अमोली कहते हैं, ÷पहले ऑटो में किराया ज्यादा लगता था। अब बस में करीब 30 रुपये किराया लगता है। मंडी से सब्जी और सामान लाने में भी सुविधा हो गई है।÷

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बस सेवा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर अमोली का अनुभव ग्रामीण परिवहन सुविधा के आजीविका से जुड़े प्रभाव को सामने लाता है। बचत का माध्यम भी बनी है।

एक कदम समानता की ओर', लैंगिक संवेदनशीलता पर छात्राओं को किया जागरूक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

संत गोविंद राम शदाणी, शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, देवेंद्र नगर, रायपुर में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन पी.एम. उषा के अंतर्गत संपन्न हुआ जिसका शीर्षक ÷लैंगिक संवेदनशीलता÷ड्ड एक कदम समानता की ओर- आयोजित किया गयाद्य कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से की हुई। उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. प्रिया राव वरिष्ठ प्राध्यापक विधि विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर थींद्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उषा किरण अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने ज्ञान का प्रचार- प्रसार करना और समाज को जागरूक करना ही हमारे उत्तरदायित्व का बोध कराता हैद्यमाता-पिता द्वारा संस्कारगत शिक्षा देना ही संवेदनशीलता की पहली सीढ़ी है, आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्राओं में भावनात्मक मजबूती, वैचारिक दृढ़ता के साथ-साथ दया और करुणा के भाव भी होद्य मुख्य वक्ता डॉ. प्रिया राव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सामाजिक सहभागिता निभाने के लिए कानूनी अधिकारों की वांछित जानकारी बहुत जरूरी है लैंगिक संवेदनशीलता और महिला संबंधी कानूनी जानकारी साझा करना भी आज के संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य हैद्य स्त्रियों के प्रति हो रहे पक्षपाती व्यवहार की शुरुआत घर और परिवार से ही होती है जो एक स्वस्थ समाज के लिए नुकसानदायक है ÷सामाजिक बदलाव घरेलू व्यवहार से ही लाए जा सकते हैं÷, महिला सुरक्षा संबंधी अनेक कानून आ रहे हैं जिससे उनके सुरक्षा ,सम्मान और आत्मनिर्भरता में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, वहीं दूसरी ओर इनके कानूनी दुरुपयोग भी समाज को विकृति की ओर ले जा रहे हैं, इसे रोकने के लिए स्वस्थ वैचारिक बहस आवश्यक हैद्य डॉ. राव ने विवाह को एक सामाजिक संस्कार के साथ-साथ एक जिम्मेदारी भी मार्नाक्रम का सफल संचालन श्रीमती पूजा रंजना यादव ने किया।

नई शुरुआत

बस्तर संभाग में अपनी तरह की पहली पहल,

अबूझमाड़ में बदलाव की नई इबारत-जहां 15 साल रहा सुरक्षा कैंप, अब वहीं संवर रहा आदिवासी बच्चों का भविष्य

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ में बदलाव की एक नई और उम्मीद जगाने वाली तस्वीर सामने आई है। नारायणपुर जिले के भाटपाल में जिस परिसर में करीब 15 वर्षों तक सुरक्षा बलों का कैंप संचालित होता रहा, आज उसी परिसर में दूरस्थ आदिवासी गांवों के बच्चे रहकर अपने बेहतर भविष्य की तैयारी कर रहे हैं।

बस्तर संभाग में अपनी तरह की इस पहली पहल के तहत पुराने सुरक्षा कैंप को जनजातीय विद्यार्थियों के छात्रावास और शिक्षा से जुड़े केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कभी सुरक्षा और शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला यह परिसर अब शिक्षा, अवसर और नई पीढ़ी के भविष्य निर्माण का आधार बन गया है। यह केवल किसी पुराने भवन का नया उपयोग नहीं, बल्कि उस बदलते अबूझमाड़ की कहानी है, जहां विकास की प्राथमिकताएं सुरक्षा से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आजीविका और नई पीढ़ी के लिए अवसरों के विस्तार तक पहुंच रही हैं।

जहां सुरक्षा थी प्राथमिकता, अब शिक्षा बन रही नई पहचान

नारायणपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर भाटपाल का यह परिसर लंबे समय तक सुरक्षा बलों का महत्वपूर्ण ठिकाना रहा। करीब 15 वर्षों तक यहां सुरक्षा बल तैनात रहे। क्षेत्र में परिस्थितियां बदलने के बाद परिसर खाली हुआ तो जिला प्रशासन ने इसे अनुपयोगी छोड़ने के बजाय बच्चों की शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया।

कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन की पहल पर इस परिसर को उन जनजातीय विद्यार्थियों के लिए छात्रावास के रूप में विकसित किया गया, जो दूरस्थ और दुर्गम गांवों से पढ़ने आते हैं। लंबी दूरी और आवास की सुविधा नहीं होने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए नियमित पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था।

11 अगस्त 2026 से यहां विद्यार्थियों के लिए आवासीय व्यवस्था शुरू की गई। इसके साथ ही जिस परिसर की पहचान कभी सुरक्षा कैंप के रूप में थी, उसकी भूमिका पूरी तरह बदल गई।

एक ही परिसर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के बच्चों को सहारा

भाटपाल के पूर्व सुरक्षा कैंप परिसर में वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए दो छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं। प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 100 सीटें स्वीकृत हैं। वर्तमान में यहां 114 विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से आने वाले इन बच्चों को विद्यालय के समीप सुरक्षित आवास मिलने से उनकी नियमित शिक्षा की राह आसान हुई है।

हार्दिक पंड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

हार्दिक पंड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11 अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेली जाएगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्यांश ने बेंगलुरु स्थित क्षष्टष्ठ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं।हार्दिक ने आखिरी बारप्रतिस्पर्ध क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था।

जून में भारत के लिए डेब्यू कर चुके हैं सूर्यांश

सूर्यांश ने जून 2026 में आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में डेब्यू किया था। वे 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं।इंडिया टीम में चुने जाने के कारण अब वे मुंबई के रणजी ट्रॉफी ओपनर में नहीं खेल पाएंगे। मुंबई को 11 अक्टूबर से वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ पहला मैच खेलना है।

सूर्यांश ने बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था।सूर्यांश ने बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

नमन धीर भी सीरीज से बाहर

हार्दिक के अलावा नमन धीर भी ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 3 अनऑफिशियल वनडे नहीं खेलेंगे। उन्हें 1 अक्टूबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।नमन को वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में मौका मिला है। सुंदर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए टी-20 टीम से रिलीज किया गया है। वे तमिलनाडु के लिए रणजी ट्रॉफी खेलेंगे।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता



रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया।श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

पाकिस्तान वनडे ट्राई-सीरीज से असलंका बाहर



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वनडे ट्राई-सीरीज 18 से 31 अक्टूबर तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इसमें श्रीलंका, पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीमें हिस्सा लेंगी।निसांका चोट के कारण इस हफ्ते घोषित टी-20 इंटरनेशनल टीम में शामिल नहीं किए गए थे। वहीं, असलंका को खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किया गया है। उन्होंने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ तीनों वनडे खेले थे। इन मैचों में उन्होंने 1, 11 और 7 रन बनाए थे।श्रीलंका की टीम अगले हफ्ते पाकिस्तान जाएगी। वहां पहले तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद वनडे ट्राई-सीरीज होगी। नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी।पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलने वाले 14 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। सहान अराचिगे और अविष्का फर्नांडो टीम में दो नए चेहरे हैं।30 साल के सहान ने श्रीलंका के लिए पांच वनडे और तीन टी-20 खेले हैं। उनका आखिरी 50 ओवर का मैच जनवरी 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ था।अविष्का ने श्रीलंका के लिए आखिरी वनडे 12 फरवरी 2025 को कोलंबो में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

:वर्ल्डकप के लिए कॉम्बिनेशन पर फोकस, फील्डिंग, डेथ ओवर गेंदबाजी सुधारना जरूरी

गिल बोले- रोहित-विराट अच्छी फॉर्म में, प्रयोग का समय नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों पर बात की है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा वनडे हारने के बाद कहा- रोहित शर्मा और विराट कोहली अच्छी फॉर्म में हैं। उनकी जगह प्रयोग करने का समय नहीं है।

गिल ने वनडे वर्ल्ड कप से पहले फील्डिंग और डेथ ओवर्स में गेंदबाजी में भी सुधार की जरूरत बताई। शनिवार को केएल राहुल के शतक के बावजूद भारत चंडीगढ़ में 5 विकेट की हार मिली। हालांकि, भारत ने सीरीज 2-1 से जीती।गिल ने कहा कि रोहित और विराट दोनों अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने केएल राहुल के योगदान की भी तारीफ की। गिल ने कहा, 'वे दोनों बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। रोहित भाई ने पिछली चार पारियों में तीसरा शतक लगाया है। वे बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे

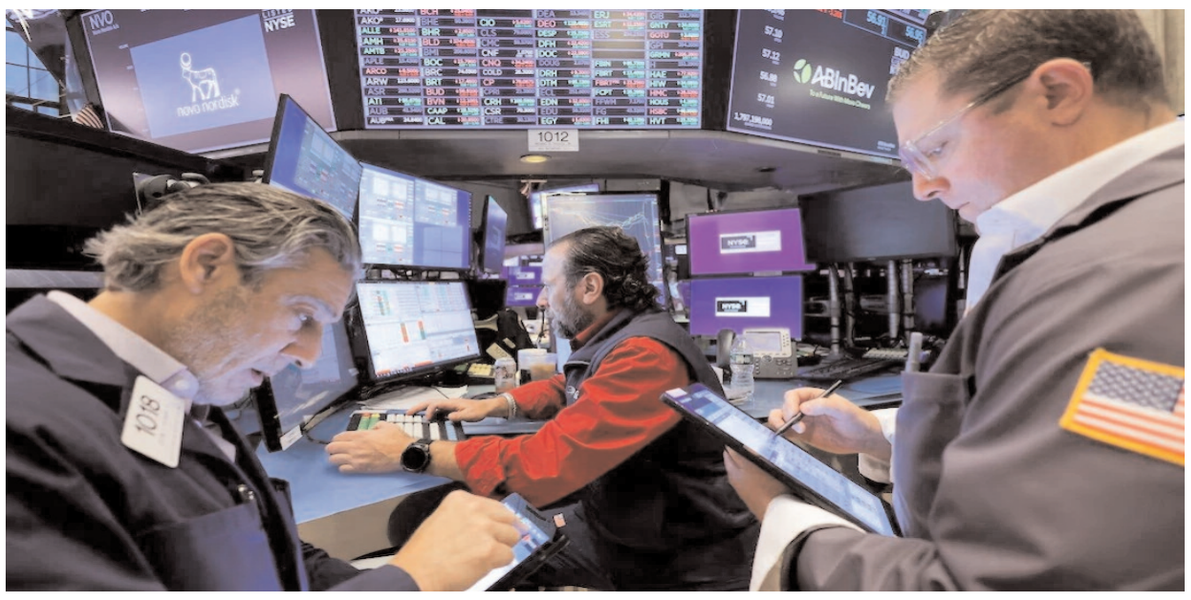


हैं। विराट भाई भी अच्छी फॉर्म में हैं। जब भी केएल राहुल को मौका मिला है, उन्होंने टीम के लिए अच्छा काम किया है और शानदार बल्लेबाजी की है।'

रोहित-विराट को आराम देने का समय नहीं

कोहली और रोहित को कुछ वनडे में आराम देने और नए खिलाड़ियों को मौका देने के सवाल पर गिल ने कहा कि फिलहाल प्रयोग के लिए ज्यादा समय नहीं है।उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि अगली सीरीज से हमारे सभी उपलब्ध खिलाड़ी खेलेंगे। वर्ल्ड कप में जिस कॉम्बिनेशन के साथ उतरना है, उसके साथ खेलना शुरू करना जरूरी है।'गिल ने कहा, हमारी फील्डिंग काफी बेहतर हो सकती है। पूरी सीरीज में हमने 6-7 कैच छोड़े। यह वर्ल्ड कप से पहले अच्छा संकेत नहीं है। आप चाहते हैं कि आपकी फील्डिंग टॉप क्लास हो।

व्यापार



अमेरिकी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने वालों के लिए बड़ा बदलाव होने वाला है. अभी न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (ह्वह्वस्रश्व) और नैस्डैक (ह्वह्वद्यस्रह्वह्व) का मुख्य कारोबारी समय सुबह 9ः30 बजे से शाम 4 बजे तक रहता है. लेकिन 6 दिसंबर 2026 से अमेरिकी शेयर मार्केट में रात के समय भी ट्रेडिंग का नया सेशन शुरू होने जा रहा है. इसके तहत रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक शेयरों की खरीद-बिक्री हो सकेगी. इससे अमेरिकी बाजार हफ्ते में 5 दिन करीब 23 घंटे तक ट्रेडिंग के लिए खुला रहेगा.

पीएफ कटौती का नया कैलकुलेशन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से हाल ही में एक बड़ा बदलाव (श्वक्कन्नह ऋह्यद्यद्द ष्टद्धड्डुड्डद्दद्द) किया गया है। इसके तहत ईपीएफओ कवरेज के लिए सैलरी लिमिट को पहले के 15,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपये मंथली किया गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस बदलाव से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी इसके दायरे में आ जाएंगे। श्वक्कन्नह द्वारा निर्धारित संशोधित 25,000 रुपये की सैलरी लिमिट अक्टूबर 2026 से लागू होगी और इसके साथ ही कर्मचारियों का वेतन में से पीएफ कटौती बढ़ जाएगी।

गौरतलब है कि पहले ईपीएफओ ने सैलरी लिमिट 15000 रुपये तय की हुई थी। यानी पुरानी सीमा के तहत ?20,000 प्रति माह की बेसिक सैलरी पर किसी कंपनी में



शामिल होने वाला कर्मचारी वैधानिक सीमा से ऊपर था और खुद ही इसके दायरे में नहीं आता था, लेकिन अब लिमिट 25,000 तक बढ़ने के बाद वो भी अनिवार्य कवरेज के अंतर्गत आ जाता है यानी उसका पीएफ पेंशन में योगदान शुरू हो जाएगा।

इससे सबसे बड़ा फायदा ये है कि उस 20 हजार रुपये कमाने वाले कर्मचारी को रिटायरमेंट के लिए जमा किए गए क्वक्कन्न का लाभ मिलेगा, ईपीएस के तहत पेंशन की पात्रता होगी और कर्मचारी जमा से जुड़ी बीमा योजना के तहत बीमा कवर मिलेगा। 7 सितंबर से प्रभावी नई लिमिट श्वक्कन्नह की संशोधित 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये की वेतन सीमा बीते 17 सितंबर 2026 से प्रभावी हो गई है।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।



पश्चिम बंगाल के बक्सा में बाघों को फिर से बसाने का कदम

पश्चिम बंगाल में दोबारा लाए गए पहले बाघ का मामला पारिस्थितिकी के बजाय नौकरशाही की जीत को दर्शाता है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को 2018 तक बक्सा, डम्पा और पालामऊ अभ्यारण्यों में कोई बाघ नहीं मिलने के बाद, उन्होंने बंगाल वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ मिलकर एक कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत बिहार में पकड़ी गई एक रॉयल बंगाल बाघिन को बक्सा में छोड़ा जाएगा। वह उन सात बाघिनों में से पहली हैं, जिन्हें दो साल में दूसरी जगह भेजा जाएगा। बक्सा में कई बस्तियां हैं और यह राजस्व गांवों एवं चाय बागानों से घिरा हुआ है। इस इलाके में पहले से ही हाथियों की आबादी है, जिन्हें रेलवे लाइन से लगातार खतरा बना रहता है। साथ ही, रेलवे महकमा जयंती तक जाने वाले एक मार्ग को फिर से शुरू करने की योजना भी बना रहा है। बक्सा से होकर गुजरने वाली भूटान-पश्चिम बंगाल सड़क पर व्यापारिक आवागमन एक और समस्या है। इस इलाके में स्थित जागीरें (एस्टेट) भी प्रवासन के गलियारों समेत प्राकृतिक छटा को छिन्न-भिन्न करने के लिए कुख्यात हैं। यहां के जंगल घने पेड़ों वाले ऐसे जंगल में तब्दील हो गए हैं जिनकी ऊपरी परत (कैनोपी) पूरी तरह बंद है। इससे घास की बढ़त रुक गई है और शाकाहारी जानवरों की आबादी कम हो गई है। बाघों के शिकार, चीतलों की संख्या बहुत कम हो गई है। बाघ अब अपने पसंदीदा खुर वाले जानवरों (अंगुलेट्स) की जगह बकरियों, लंगूरों और मवेशियों का ज्यादा शिकार कर रहे हैं। साल 2018 से, इस सहयोग के तहत चीतलों को पुनःस्थापित किया गया है। घास के मैदानों को पुनर्जीवित करने में मदद करने के वास्ते कृत्रिम रूप से कुछ पेड़ों की छतरियां खोली गई है तथा मानव और वन्यजीवों के बीच के टकरावों को कम करने के इरादे से ग्रामीणों को अभयारण्य के केंद्र से स्थानांतरित किया गया है। हालांकि, यह आखिरी कदम बाघों को फिर से बसाने के कार्यक्रम के नकारात्मक पहलू की झलक भी दिखाता है।

(एक नजर)

शनि गोचर से होगा महालाभ

वैदिक ज्योतिष में कर्मफलदाता और न्याय के देवता शनि देव की चाल में होने वाले बदलाव का सीधा असर हर मानव जीवन और देश-दुनिया पर पड़ता है. वर्तमान में शनि वक्र दृष्टि यानी टेढ़ी चाल से मीन राशि में गोचर कर रहे हैं, जो आगामी 11 दिसंबर तक इसी स्थिति में रहने वाले हैं. हालांकि, ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, आज से ठीक 10 हफ्ते बाद जैसे ही शनि देव अपनी चाल बदलकर मार्गी (सीधी चाल) होंगे, वैसे ही कई राशियों के जीवन के लंबे समय से चले आ रहे कष्टों का अंत होना शुरू हो जाएगा. शनि के इस महत्वपूर्ण गोचर और चाल परिवर्तन से मुख्य रूप से 5 भाग्यशाली राशियों के जातकों को जबरदस्त लाभ, करियर में तरक्की और आर्थिक मजबूती मिलने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं. आइए जानते हैं कि यह बदलाव किन राशियों के लिए वरदान साबित होने वाला है. वृषभ राशि: शनि के मार्गी होते ही वृषभ राशि के जातकों के जीवन में राहत का दौर शुरू होगा. लंबे समय से काम-धंधे में आ रही अड़चनें और मानसिक तनाव अब धीरे-धीरे कम होने लगेंगे. परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आपका आत्मबल सातवें आसमान पर होगा. रुके हुए कार्य बिना किसी बड़ी रुकावट के स्वतः ही पूरे होने लगेंगे।

विचार

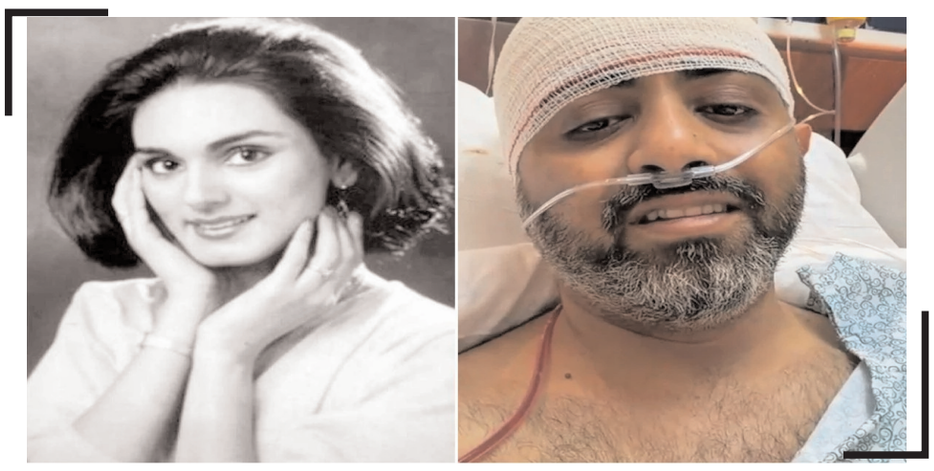
नीरजा भनोट से स्मित मच्छार तक, हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया

राकेश सैन

लेकख

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई।

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा।कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना।इसके बाद इजारायली यात्री यानिव हयून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकडक़र नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छार ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इस्राइली नागरिक थे। विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था।भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,



इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को 'अविस्वसनीय' बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें 'हीरो' बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को लेकर कैप्टन मच्छार और यात्री यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने दरवाजा खोलकर अहम भूमिका निभाई। वैसे इस घटना का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है परंतु समझा जा रहा है कि अगर दुर्घटना हो जाती तो यह अमेरिका के ट्विन टावरों पर हुए आतंकी घटना का ही दूसरा रूप होती, संभव है इसके बाद इस्राईल की भी सैनिक प्रक्रिया होती और दुनिया में शांति व्यवस्था को नया खतरा पैदा हो जाता, जो पहले ही इरान-अमेरिका और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते संकट में चली आ रही है। स्मित मच्छार की बहादुरी ने न केवल पौने दो सौ लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया को भी एक बड़े संकट से बचा लिया।

30 सितम्बर को हुई इस घटना ने एक और हिन्दू विरांगना नीरजा भनोट का पुण्य स्मरण करवा दिया है जो इसी तरह की घटना में शहीद हुई थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहृत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा-ए-इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया।

विचार

कांग्रेस ने फिर अपनाई बांटो और राज करो की नीति

- मृत्युंजय दीक्षित

लेखक

वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लगती है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं।वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी जहां एक ओर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग व देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर उसके तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लगती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदू देवी देवताओं का विभाजन करके कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को आगे बढ़ाकर राजनैतिक माहौल को गर्म कर दिया है। दक्षिण का राज्य तेलंगाना कांग्रेस के शासन में आर्थिक तंगी व भ्रष्टाचार से गुजर रहा है। अपनी प्रशासनिक नाकामियों तथा चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने व मुस्लिम तुष्टिकरण को छुपाने के लिए रेवंत रेड्डी ने प्रभु श्रीराम को उत्तर और भगवान शिव को दक्षिण का देवता बताकर एक नयी विभाजक रेखा खींचने का असफल प्रयास किया है। उत्तर भारत में अपने अस्तित्व का संघर्ष करती कांग्रेस अब विभाजनकारी मानसिकता के सबसे निचले पायदान पर पहुँच गयी लगती है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इससे पूर्व भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि मुस्लिम ही कांग्रेस है और कांग्रेस ही मुस्लिम है। रेवंत रेड्डी का कहना है कि भगवान राम अमीरों के देवता हैं और भगवान शिव गरीबों के देवता हैं। वे स्वयं को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि भाजपा ने भगवान राम को चोरी कर लिया है। रेवंत रेड्डी का कहना है भाजपा के लोग ÷हर हर महादेव÷ तक नहीं बोलते। वह एक बार हिंदुओं के 33 करोड़ देवताओं पर भी विकृत बयानबाजी कर चुके हैं। दिमागी नक्सली नेताओं का यही लक्ष्य रहता है किसी न किसी प्रकर हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया जाए। विगत सितम्बर में हुए गणेशोत्सव आयोजन के दौरान तेलंगाना में कई जगह से गणेशोत्सवों के आयोजन पर बाधाओं के समाचार आ रहे थे। ग्रेस पार्टी ने अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर का विरोध किया। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा बताने में सबसे पहले कांग्रेस ही मैदान में उतर पड़ी थी। रेवंत रेड्डी संभवतः यह बात भूल गए कि भगवान शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने समाज की रक्षा के लिए विष को भी अपने गले में ही धारण कर लिया था। तेलंगाना के



मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम का चरित्र पढ़ना चहिए। मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम थे। अंग्रेजों की बनाई हुई पार्टी कांग्रेस ने अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की रणनीति के तहत ही विगत 76 वर्षों में हिंदू समाज को जाति, पंथ, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की पूरी कोशिश की है और वह लगातार जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने बयान के माध्यम से आर्य बनाम द्रविड का विभाजन करते हुए यह भी कहाकि हम द्रविड़ हैं और हम भगवान शिव की आराधना करते हैं जबकि आर्य प्रभु श्रीराम को मानते हैं।रेवंत रेड्डी का कहना है कि बीजेपी के मंचों से जयश्रीराम का नारा सुनाई देता है जबकि ÷हर हर महादेव÷ का उद्घोष नहीं किया जाता। रेड्डी ने कहा कि ÷मोदीजी हर हर महादेव क्यों नहीं कहते?÷ रेवंत रेड्डी का बयान झूठ का पुलिंदा भर है। रेवंत रेड्डी को यह नहीं पता कि उत्तर भारत में केदारनाथ, विश्वनाथ और महाकाल जैसे ज्योतिर्लिंग हैं, उत्तर भारत में ही काँवड़ यात्रा होती है और श्रावण माह महादेव को ही समर्पित रहता है।कांग्रेस को तो भगवान शिव के मंदिरों के विकास से भी चिढ़ रही है। गुजरात के पवित्र सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार रोकने और तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद को सोमनाथ मंदिर न जाने देने का भरसक प्रयास स्वयं नेहरु जी ने किया था। सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कर्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाग पर भी कांग्रेस ने नफरत भरा बयान दिया था। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बने भव्य महाकाल कॉरिडोर का विरोध भी कांग्रेस नेताओं ने ही किया था।आज दक्षिण भारत के जो कांग्रेसी नेता अपने आपको शिवभक्त बता रहे हैं वह ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के उद्धार के लिए आगे क्यों नही आ रहे हैं? कांग्रेस के शासनकाल में भगवान शिव के मंदिरों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक बार काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर में जाकर दर्शन करना चाहिए तब उन्हें स्पष्ट रूप से पता चल जाएगा कि आर्य प्रभु श्रीराम के भी भक्त हैं और भगवान शिव के भी भक्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामेश्वरम में भी भगवान की पूजा करते हैं और काशी विश्वनाथ धाम में भी। वह अपनी हर जनसभा में हर-हर महादेव के नारे लगाते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवत रेड्डी ने निहित राजनीतिक स्वार्थ व गांधी परिवार की चाटुकारिता के लिए एक निंदनीय बयान दिया है।यह बयान भारत को उत्तर और दक्षिण में बांटने की कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा है। भाषा के आधार पर भी कांग्रेस उत्तर और दक्षिण को लड़ाती रही है। इस बयानबाजी का एक पक्ष मुस्लिम समाज को खुश रखने के लिए हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार करना भी है। यहां पर एक बड़ा सवाल यह भी है कि कांग्रेस के नेता कभी अन्य धर्मों के प्रति इस प्रकार के बयान क्यों नहीं देते? यह बात पूरसहित अन्य मंदिरों का विकास अच्छा नहीं लग रहा है।

विचार

कैफे 3 की कमजोर रफ्तार

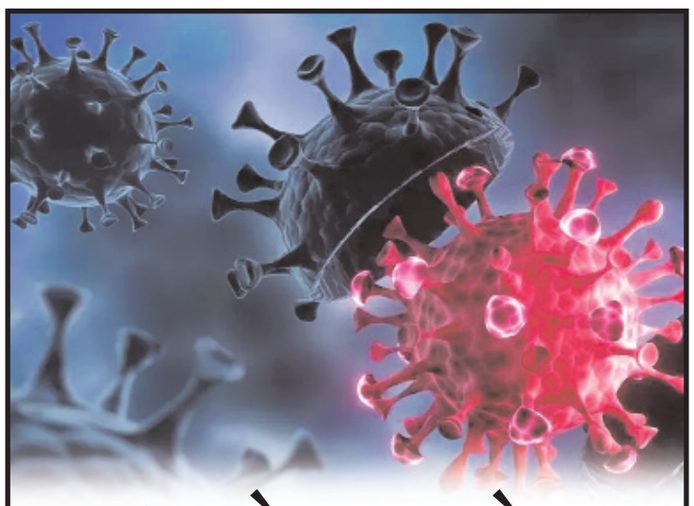
धीरेंद्र राय,

लेखक

अप्रैल 2027 से मार्च 2032 के बीच यात्री वाहनों के लिए हाल में अधिसूचित तीसरा कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (कैफे 3) मानक यात्री कार उद्योग को कम उत्सर्जन वाले मानकों की दिशा में ले जाने का सदाशयतापूर्ण प्रयास है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या ये मानक सार्थक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त रूप से कड़े हैं। कैफे 3 के तहत पांच वर्षों में ईंधन दक्षता में लगभग 16.7 फीसदी सुधार अनिवार्य किया गया है।

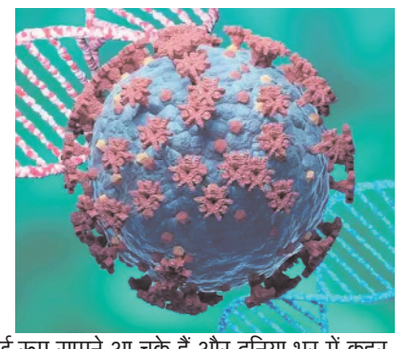


ईंधन खपत का लक्ष्य एक ऐसे समीकरण पर आधारित है, जो प्रत्येक वाहन निर्माता के पूरे बेड़े के संदर्भ वजन और आधारभूत ईंधन खपत लक्ष्य से जुड़ा है।कैफे 3 के लिए संदर्भ वजन 1,082 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया है। संदर्भ वजन में यह बढ़ोतरी छोटी कारों के लिए अधिक रियायतों की मांग को ध्यान में रखकर की गई है। यह मांग वाहन निर्माताओं की ओर से जोरदार लॉबिंग का विषय बन गई थी। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इन मानकों में 'सुपर-क्रेडिट' व्यवस्था शामिल है जिसके तहत कम प्रदूषण वाले वाहनों को अनुपालन के लिहाज से अतिरिक्त क्रेडिट मिलता है।उदाहरण के लिए प्रत्येक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और एक चार्ज में लंबा चलने वाले ईवी को बेड़े के प्रदर्शन की गणना में तीन वाहनों के बराबर गिना जाएगा। एथनॉल का इस्तेमाल करने वाले प्लग-इन ईवी और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ईवी के लिए भी इसी तरह की मात्रा-आधारित रियायत का प्रावधान है हालांकि यह घटते हुए पैमाने पर है। वाहन निर्माता स्टार्ट-स्टॉप सिस्टम और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग, एलईडी लाइटिंग या बेहतर वातानुकूलन प्रणाली जैसी निर्धारित तकनीकों के इस्तेमाल से दक्षता में हुए सुधार का भी दावा कर सकते हैं।उद्योग जगत ने नए मानकों का व्यापक रूप से स्वागत किया है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि ये मानक उस समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त हैं या नहीं जिसके समाधान के लिए इन्हें पहली बार 2017 में लागू किया गया था। यानी ईंधन की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करना। यात्री कारों का कुल बाजार 2025 में 50 लाख से बढ़कर 2032 तक 65 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। इससे संकेत मिलता है कि इस उद्योग से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करना आगे भी एक चुनौती बना रहेगा। इसका स्पष्ट समाधान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बदलाव को तेज करने में है।हालांकि कैफे 3 के प्रावधान ईवी के उत्पादन को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने भी इस ओर ध्यान दिलाया है कि ये मानक उद्योग को ईवी की ओर बड़े पैमाने पर बदलाव के लिए पर्याप्त रूप से मजबूर नहीं करते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईवी को कई विकल्पों में से एक बना दिया गया है जबकि उसे अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।यकीनन सरकार के पास ईवी की ओर अधिक आक्रामक बदलाव को अनिवार्य करने की पर्याप्त गुंजाइश थी। इन मानकों में 2032 तक ईवी की हिस्सेदारी का लक्ष्य 11 फीसदी रखा गया है जबकि उद्योग पहले ही 8 फीसदी के स्तर पर पहुंच चुका है। इसका मतलब है कि इससे कहीं अधिक ऊंचा लक्ष्य तय करना वाहन निर्माताओं की क्षमता से बाहर नहीं होता।क्रेडिट-डेबिट प्रणाली पर आधारित लचीली अनुपालन व्यवस्था भी नए मानकों की समग्र प्रभावशीलता को लेकर सवाल खड़े करती है। जो वाहन विनिर्माता अपने ईंधन दक्षता लक्ष्यों से बेहतर प्रदर्शन करेंगे उन्हें क्रेडिट मिलेगा जबकि लक्ष्य से पीछे रहने वाले निर्माता डेबिट जमा करेंगे। इन क्रेडिट को दो अनुपालन के बीच जमा किया जा सकता है और वाहन निर्माता इन्हें आपस में खरीद-बेच भी सकते हैं। पहली अवधि वित्त वर्ष 28 से 30 और दूसरी वित्त वर्ष 31 से 32 होगी। जिन विनिर्माताओं के पास डेबिट होंगे वे 2027-28 से 2031-32 के बीच बढ़ती कीमतों पर ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) से क्रेडिट खरीद सकेंगे। इस व्यवस्था के संदर्भ में दो सवाल उठते हैं।पहला, क्या यह प्रणाली नियमों का पालन न करने को भी उसी तरह से प्रोत्साहित करती है जैसे कि कार्बन क्रेडिट को अब प्रदूषण फैलाने के लाइसेंस के रूप में देखा जाने लगा है? दूसरा, किसी नियामक द्वारा इस तरह के क्रेडिट बेचना या इस बाजार में किसी भी रूप में भागीदार बनना असामान्य है।



सावधानः डेल्टा प्लस के बाद आ रहे कोविड-19 के नए वेरिएंट लापरवाही पड़ सकती है भारी

कोविड की दूसरी लहर में डेल्टा वेरिएंट ने अपना जबरदस्त कहर बरपाया है लेकिन आने वाले वक्त में कुछ और नए वेरिएंट्स का प्रसार हो सकता है। कोविड-19 के डेल्टा वेरिएंट के बाद भी म्यूटेशन जारी है और अब बताया जा रहा है कि आने वाले वक्त में नए वेरिएंट पैदा होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जब कोई वायरस खुद की नकल करता है या अपने ही फीचर का निर्माण करता है तो कभी-कभी उसमें थोड़ा बदलाव देखने को मिलता है, जो एक वायरस के लिए सामान्य है। इन्हीं परिवर्तनों को म्यूटेशन कहा जाता है। जैसा कि आप सभी जानते ही हैं कि नोवेल कोरोनावायरस की शुरुआत के बाद से इसके कई रूप सामने आ चुके हैं और दुनिया भर में कहर बरपा रहे हैं। डेल्टा वेरिएंट को दूसरी लहर का जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके बाद अब एक नया स्ट्रेन, डेल्टा प्लस में बदल गया है जो बहुत घातक बताया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने डेल्टा और डेल्टा प्लस वेरिएंट के अलावा कई नए कोविड वेरिएंट को सूचीबद्ध किया है जो धीरे-धीरे आ रहे हैं।



लैम्ब्डा वेरिएंट

लैम्ब्डा वैरिएंट का पहली बार पेरू में अगस्त 2020 में पता चला था और तब से लगभग 29 देशों में इसकी सूचना दी गई है। विशेषज्ञों का दावा है कि इस प्रकार के स्पाइक प्रोटीन में कई म्यूटेशन देखे गए हैं, जो इसकी ट्रांसमिसिबिलिटी यानी संक्रमकता की दर काफी अधिक बढ़ा देती है। यूनाइटेड किंगडम ने पिछले सप्ताह डेल्टा कोविड-19 संस्करण के 35,204 नए मामले दर्ज किए। वहीं पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) ने इसके अलावा 23 फरवरी से 7 जून तक लैम्ब्डा वेरिएंट के छह मामलों की सूचना दी है।

कल्पा वेरिएंट

SARs-COV-2 वायरस का कप्पा वेरिएंट पैंगो वंश B.617.1 के तीन उप-वर्गों में से एक है। इसे B.617.1 के नाम से भी जाना जाता है और भारत में पहली बार दिसंबर 2020 में इसका पता चला था। ये म्यूटेशन वायरस के दो वेरिएंट्स E484Q और E484K के जरिए हुआ है, जो कि ब्राजील और दणिक्ष अफ्रिका में तेजी से फैल रहे हैं। इसमें L452R म्यूटेशन भी शामिल है, जो वायरस को हमारे शरीर के इम्यून रिस्पॉन्स से बचने में मदद करता है।

B.11.318

कथित तौर पर कोविड के कप्पा वेरिएंट की तरह ही B.11.318 वेरिएंट E484K म्यूटेशन में शामिल है। भारत ने इस नए वेरिएंट के दो जीनोम अनुक्रमों की सूचना दी है।

जरूरी है सावधान रहना



ऐसे समय में जब कोविड के नए इतने सारे नए रूप सामने आ रहे हैं तब हमारी जिम्मेदारी है कि हमें सावधानी बरतनी चाहिए। मामलों की संख्या होते ही सभी सीमओं पर प्रतिबंध हटा दिए हैं और अनलॉक प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, ऐसे हालातों में हमें अवेयर रहने की ज्यादा जरूरत है। खासकर तब जब आप घर से बाहर निकल रहे हों तब आपको कोविड के सभी प्रोटोकॉल को फॉलो करना



गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

किसी सुपरफूड से कम नहीं है काला चावल, बीपी-शुगर में रामबाण

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।



आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों



चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।



इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं।

लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो



'26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का सारंगढ़ में रंगारंग आगाज'

'हार से सीखें और जीत का अहंकार न करें, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती- मंत्री श्री टंक राम वर्मा'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सारंगढ़ की पावन धरा पर रविवार को खेल, उत्साह और राज्य स्तरीय खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। मौका था 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के भव्य शुभारंभ का। इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को खेल और शिक्षा के क्षेत्र में दो बड़ी सौगातें देते हुए जिले में सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड तथा डाइट कॉलेज प्रारंभ करने की ऐतिहासिक घोषणा की।

इसके साथ ही उन्होंने अवगत कराया कि जिले में नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से जुड़े प्रस्ताव आगे की प्रक्रिया में हैं, और राज्य सरकार स्कूल अधोसंरचना के विकास व आवश्यक जीर्णोद्धार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने खिलाड़ियों में नया जोश



भरते हुए कहा कि खेलोगे तो जीतोगे, खेलोगे तो हारोगे, लेकिन नहीं खेलोगे तो केवल दर्शक बनकर रह जाओगे। हार से सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए और विजेता खिलाड़ियों को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास जारी रखने वाले ही जीवन में नई ऊंचाइयों को छूते हैं।

खेलभांठा मैदान सारंगढ़ में 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के पाँचों संभागोंकृबिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा-से आए 330 बाल-खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर रहे हैं।

'खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता का आधाररू मंत्री श्री गजेन्द्र यादव'

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि जीतने के लिए सबसे पहले मैदान में उतरना जरूरी है। खेल केवल शारीरिक विकास नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और बौद्धिक क्षमता को भी निखारता है। छत्तीसगढ़ की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता ही हमारी ताकत है, और खेल इस विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का सबसे सशक्त माध्यम है।

कलेक्टर ने स्वागत भाषण में खिलाड़ियों के रहने, भोजन व सुरक्षा की सुव्यवस्थित व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में जिले का बोर्ड परीक्षा परिणाम शानदार रहा है और तीन विद्यार्थियों ने राज्य की टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान बनाया है। उन्होंने जिले में शिक्षा के आधुनिक रुझानों का जिक्र करते हुए कहा कि कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्रों के लिए नीट (छम्ज्) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष कोचिंग सुविधा शुरू की जा रही है।विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कक्षाएं, रोबोटिक्स लैब्स और अटल टिंकरिंग लैब्स की स्थापना की जा रही है। उद्घाटन समारोह में सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी गणपत जांगड़े, बिलाईगढ़ विधायकअधिकारी और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

'खोरखोसा में 'सेवा सेतु' शिविर में उमड़ा जनसैलाब, एक ही मंच पर ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ'

'आयुष्मान कार्ड से स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वामित्व योजना से मिला अधिकार, छात्राओं को मिली साइकिल'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को ग्रामीणों तक सहजता से पहुंचाने के उद्देश्य से बस्तर जिले के ग्राम खोरखोसा में वृहद 'सेवा सेतु' शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लिया। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शिविर में शामिल हुए और पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया।

सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि शासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। 'सेवा सेतु' के माध्यम से प्रशासन स्वयं ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ रहा है।

5 परिवारों को मिली पक्के आवास की चाबी'

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 पात्र परिवारों को उनके पूर्ण आवासों की चाबियां सौंपी गईं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 4 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 ग्रामीणों को आयुष्मान भारत कार्ड तथा 2 किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित दस्तावेज प्रदान किए गए।



'स्वामित्व योजना से 12 हितग्राहियों को मिले अधिकार अभिलेख'

ग्रामीणों के संपत्ति संबंधी अधिकारों को सुदृढ़ करने की दिशा में स्वामित्व योजना के अंतर्गत 12 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख सौंपे गए। वहीं बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने और छात्राओं के विद्यालय आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से पात्र छात्राओं को साइकिलों का वितरण भी किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी और उनकी समस्याओं एवं आवेदनों के निराकरण की कार्रवाई की। ग्रामीणों ने एक ही स्थान पर विभिन्न विभागीय सेवाएं उपलब्ध होने से सुविधा मिलने की बात कही।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं की जानकारी लेने और पात्रतानुसार उनका लाभ उठाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से माधुरी हुईं आर्थिक रूप से संबल'

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से माधुरी हुईं आर्थिक रूप से संबल'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



'सेवा की कहानी' = 'मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से माधुरी हुईं आर्थिक रूप से संबल' सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर हितग्राहियों के लिए नई उम्मीदें लेकर आया। कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड के ग्राम अड़ेगा की रहने वाली माधुरी सिदार के लिए मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना आर्थिक सहारा का आधार हुई है। योजना के तहत माधुरी को 20 हजार रुपए की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। माधुरी की माता श्रीमती बिमला बाई सिदार के श्रम पंजीयन के आधार पर उन्हें इस योजना का लाभ मिला। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना का उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत पात्र श्रमिक परिवार की प्रथम दो अविवाहित पुत्रियों को 18 से 21 वर्ष की आयु तथा कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होने पर 20 हजार रुपए की एकमुश्त सहायता राशि प्रदान की जाती है। इस राशि का उपयोग बेटी के लिए रोजगार, स्वरोजगार को बेहतर बनाने अथवा विवाह के लिए किया जा सकता है।

माधुरी ने बताया कि आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आगे बढ़ने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल से श्रमिक परिवारों की बेटियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। माधुरी और उनकी माँ ने मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, श्रम मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन और शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके आगे बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण जागरूकता के साथ सेवा गतिविधियां जारी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से पोषण जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां जारी हैं। रायगढ़ जिले के सराईपाली, तमनार में लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र एवं पौधे देकर सम्मानित किया। इस दौरान 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान के तहत ब्रोशर वितरित किए गए और जनभागीदारी का संदेश दिया गया।

जोगीतराई में पौष्टिक थाली एवं व्यंजन प्रदर्शनी, स्वस्थ बालक-बालिका, फैंसी ड्रेस और मेहंदी प्रतियोगिता, अन्नप्राशन तथा न्योता भोज कराया गया। डोलेसरा-2 में गोदभराई, अन्नप्राशन और पोषण जागरूकता गतिविधियां हुईं। ठेंगापाली-2 में पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी, चित्रकला एवं कुर्सी दौड़ आयोजित की गई। इसी तरह चेलिटोंगरी,



वैद्यपारा सेमीपाली में मुनगा पौधरोपण, तुरंगा रामचंडीपारा में गोदभराई, अन्नप्राशन एवं मेहंदी प्रतियोगिता, बिंजकोट में 'मेरी कहानी, मेरी जुबानी' तथा अजा पारा में एनीमिया जागरूकता और पौष्टिक थाली प्रदर्शनी आयोजित हुई। बायसी और मेडरमार में हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ के अनुभव साझा किए। विभिन्न केंद्रों में कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितानिनों का सम्मान, हितग्राहियों को ' के तहत पौधरोपण भी किया गया।

'सेवा संकल्प और सेवा सेतु अभियान से बस्तर में सेवा, समाधान और जनजागरूकता का संदेश'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान और सेवा सेतु अभियान के माध्यम से बस्तर में सेवा, स्वच्छता, जनजागरूकता और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान की प्रभावी तस्वीर सामने आई है। बस्तर जिले के जिला मुख्यालय जगदलपुर में एक ओर बस्तर फाइटर्स के 600 नव आरक्षकों ने वृहद स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा और श्रमदान का संदेश दिया, वहीं ग्राम पंचायत माड़पाल में आयोजित सेवा सेतु शिविर में प्राप्त सभी 310 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में स्कूली विद्यार्थियों की 'नमो सेवा गाथा' नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। 'स्वच्छता पखवाड़ा 2026' के तहत लालबाग स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला से स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने अधिकारियों, जवानों और नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने और इसके लिए व्यापक जनजागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर



सांसद श्री कश्यप और सेनानी श्री एम.आर. मंडावी ने परिसर में पौधरोपण भी किया।

इसके बाद सांसद श्री कश्यप के नेतृत्व में बस्तर फाइटर्स के 600 नव आरक्षकों ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जगदलपुर के नया बस स्टैंड, ऐतिहासिक दलपत सागर, सिरहासार चौक और गंगामुण्डा सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर सघन सफाई अभियान चलाया। जवानों के श्रमदान ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

'माड़पाल में 310 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण'

इसी क्रम में सेवा सेतु अभियान के तहत विकासखंड जगदलपुर की ग्राम पंचायत माड़पाल में आयोजित समाधान शिविर में सांसद श्री महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में प्राप्त सभी 310 आवेदनों का मौके पर शत-प्रतिशत निराकरण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई। सांसद श्री कश्यप ने कहा कि सेवा सेतु अभियान शासन और जनता के बीच की दूरी को कम कर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार का ध्येय है। प्रशासन ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहा है, जिससे नागरिकों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। राजस्व विभाग द्वारा किसान किताब, कृषि विभाग स्वास्थ्य विभाग द्वारा 4 आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

नई शुरुआत

सब्जी उत्पादन से रही 800-900 की साप्ताहिक आय

आजीविका डबरी से आत्मनिर्भर हुआ रामभजन का परिवार

सब्जी उत्पादन और मछली पालन बना आर्थिक उन्नति का जरिया

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा का संकल्प अब धरात पर दिखने लगा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित आय और संसाधनों की कमी के कारण परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती रही है। ग्रामीण क्षेत्र की इन्हीं परेशानियों को दूर करने विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण योजना की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा की गई। जमीनी स्तर अब इसका फायदा अब दिखने लगा है। कबीरधाम जिले की जनपद पंचायत बोड़ला के तहत ग्राम पंचायत पोड़ी निवासी रामभजन मिसाल कायम कर रहे हैं।

रामभजन की मांग पर स्वीकृत हुई आजीविका डबरी

रामभजन की मांग पर 1.80 लाख की लागत से विकसित



भारत जी राम जी योजना से आजीविका डबरी बनाने में सहायता मिली। रामभजन के पास लगभग 50 डिसमिल भूमि उपलब्ध है जो सिंचाई का साधन नहीं होने के कारण उपयोग नहीं हो रहा था। डबरी निर्माण से रोजगार के साथ सिंचाई का स्त्रोत मिल गया। इस कार्य में 1 लाख 66 हजार रुपए का मजदूरी भुगतान हुआ। 697 मानव दिवस रोजगार का सृजन करते हुए हितग्राही रामभजन एवं उसके परिवार सहित अन्य ग्रामीणों को रोजगार मिला। डबरी निर्माण से आसपास के लगभग 1 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ और भू-जल स्तर बढ़ने के साथ हैंडपंप रिचार्ज में सहायता मिली।

आजीविका डबरी के सकारात्मक परिणाम

वर्षा आधारित खेती और सीमित पानी के कारण कृषि उत्पादन में असर पड़ता था। प्रतिवर्ष लगभग 8,000 से 10,000 तक ही आय प्राप्त होता था। सिंचाई का पर्याप्त साधन उपलब्ध न होने के कारण अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से वंचित रह जाते थे और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। विकसित भारत जी राम जी योजना से निर्मित आजीविका डबरी ने जीवन मे नया मोड़ लाया। डबरी निर्माण से 50 डिसमिल भूमि का उपयोग मत्स्य पालन के लिए हो रहा है। डबरी के मेड़ों पर और सिंचाई का साधन मिलने के कारण सब्जियों का उत्पादन हो रहा है। वर्षभर जल उपलब्ध रहने से कृषि एवं मत्स्य पालन दोनों से अतिरिक्त आय मिल रहा है।

डबरी बन जाने से बढ़ी कमाई- रामभजन

हितग्राही रामभजन कहते हैं कि बरबट्टी, टमाटर, लौकी, भिंडी, कद्दू, फूल गोभी, गवारफली, केला, करमत्ता भाजी और धनिया की फसल खेत में लगी है। हर सप्ताह घर से कुछ कदम दूर पोड़ी बाजार में सब्जियां विक्रय की जाती हैं। जैविक सब्जियां होने के कारण हाथों हाथ बिक जाती हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सप्ताह 800 से 900 की आमदनी हो रही है, वहीं महीने में कम से कम 3500 से 4000 की कमाई हो जाती है। पहले सिंचाई के अभाव में सब्जियों की ऐसी पैदावार नहीं हो पाती थी। अब अपने परिवार की देखभाल पहले से कहीं बेहतर कर पा रहा हूं। रामभजन ने यह भी बताया कि डबरी में मछली पालन भी किया जा रहा है जिससे प्रतिवर्ष लगभग 60,000 से 70,000 तक अतिरिक्त आय प्राप्त होने की उम्मीद है। अब आमदनी पहले की तुलना में कई गुना अधिक बढ़ गई है।

सेवा के संकल्प से बदलती ग्रामीण भारत की तस्वीर

यह कार्य विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण द्वारा जल संरक्षण, कृषि विविधीकरण एवं ग्रामीण आजीविका संवर्धन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। डबरी निर्माण से न केवल रोजगार और वर्षभर सिंचाई की सुविधा ग्रामीणों को उपलब्ध है ,बल्कि आसपास के किसानों को भी जल संरक्षण आधारित टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण कर अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। किसानों की आमदनी बढ़ेगी तो गांव की अर्थव्यवस्था भी आगे बढ़ेगी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना साकार होगा।